चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-6-26	3	8

स्वस्थ जीवन के लिए साइकिल चलाना जरूरी : बलदेव राज

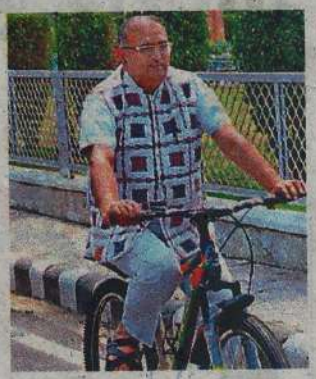

साइकिल से कार्यालय आते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज • पीआरओ

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज विश्व साइकिल दिवस पर अपने निवास स्थान से अपने कार्यालय में साइकिल से पहुंचे।

कुलपति प्रो काम्बोज ने बताया कि साइकिल केवल एक साधारण परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक है। साइकिल चलाने से शरीर स्वस्थ रहता है, हृदय मजबूत बनता है, मोटापा कम होता है तथा मानसिक तनाव भी घटता है। यह एक ऐसा व्यायाम है जो सभी आयु वर्ग के लिए लाभदायक है। प्रत्येक शुक्रवार को 'नो व्हीकल डे' मनाया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	4-6-24	3	7-8

स्वस्थ जीवन और ईंधन की बचत के लिए साइकिल चलाना जरूरी : प्रो काम्बोज

विश्व साइकिल दिवस पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साइकिल चलाने के लिए किया प्रेरित

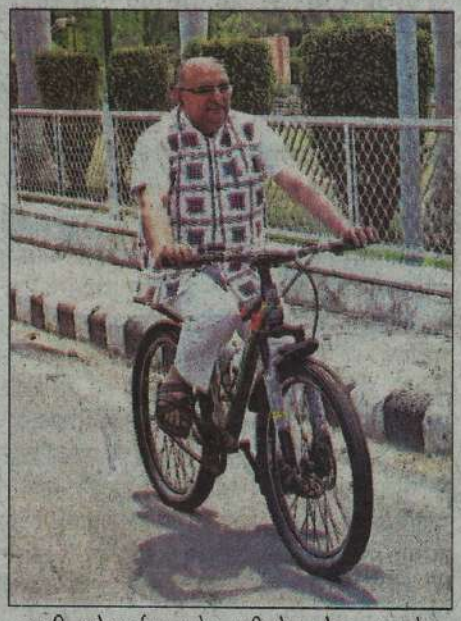

साइकिल से कार्यालय आते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज

हिसार, 3 जून (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज आज विश्व साइकिल दिवस पर अपने निवास स्थान से अपने कार्यालय में साइकिल से पहुंचे। कुलपति प्रो काम्बोज ने बताया कि साइकिल केवल एक साधारण परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, यातायात की भीड़ और ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच साइकिल एक प्रभावी और किफायती विकल्प के रूप में सामने आई है। साइकिल का उपयोग करने से न तो ईंधन की आवश्यकता होती है और न ही इससे पर्यावरण का नुकसान पहुंचाने वाली गैसों का उत्सर्जन होता है। इसलिए साइकिल को पर्यावरण मित्र वाहन भी कहा जाता है। ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक शुक्रवार को 'नो व्हीकल डे' मनाया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	5-6-26	12	7-8

स्वस्थ जीवन व ईंधन बचत के लिए साइकिल चलाना जरूरी: प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यू ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बुधवार को विश्व साइकिल दिवस पर अपने निवास स्थान से अपने कार्यालय में साइकिल से पहुंचे। कुलपति प्रो काम्बोज ने बताया कि साइकिल केवल एक साधारण परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक है। साइकिल चलाने से शरीर स्वस्थ रहता है, हृदय मजबूत बनता है, मोटापा कम होता है तथा मानसिक तनाव भी घटता है। यह एक ऐसा व्यायाम है जो सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए लाभदायक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, यातायात की भीड़ और ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच साइकिल एक प्रभावी और किफायती विकल्प के रूप में सामने आई है। कुलपति ने बताया कि आम नागरिकों को छोटी दूरी के लिए साइकिल का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विश्व साइकिल दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि जहां संभव हो, छोटी दूरी के लिए साइकिल का उपयोग करेंगे तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

■ साइकिल चलाकर कार्यालय पहुंचे एचएयू के कुलपति

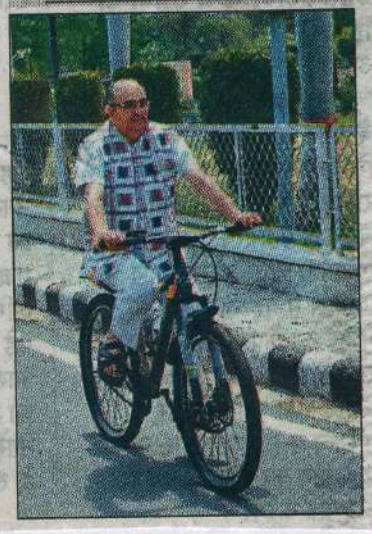

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5-6-26	6	4-6

स्वस्थ जीवन और ईंधन की बचत के लिए साइकिल चलाना ज़रूरी : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

विश्व साइकिल दिवस पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साइकिल चलाने के लिए किया प्रेरित

हिसार, 3 जून (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज आज विश्व साइकिल दिवस पर अपने निवास स्थान से अपने कार्यालय में साइकिल से पहुंचे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि साइकिल केवल एक साधारण परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक है। साइकिल चलाने से शरीर स्वस्थ रहता है, हृदय मजबूत बनता है, मोटापा कम होता है तथा मानसिक तनाव भी घटता है। यह एक ऐसा व्यायाम है जो सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए लाभदायक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, यातायात की भीड़ और ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच साइकिल एक प्रभावी और किफायती विकल्प के रूप में सामने आई है। साइकिल का उपयोग करने से न तो ईंधन की आवश्यकता होती है और न ही इससे पर्यावरण का नुकसान पहुंचाने वाली गैसों का उत्सर्जन होता है। इसलिए साइकिल को पर्यावरण मित्र वाहन भी कहा जाता है।

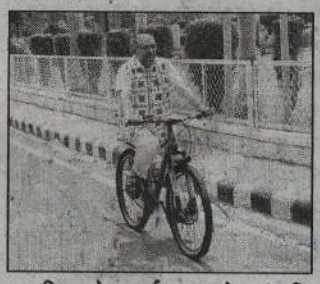

साइकिल से कार्यालय आते कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज।

कुलपति ने बताया कि आम नागरिकों को छोटी दूरी के लिए साइकिल का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इससे न केवल पर्यावरण की रक्षा होगी बल्कि लोगों का स्वास्थ्य भी बेहतर होगा और सड़क यातायात का दबाव भी कम होगा। विश्व साइकिल दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि जहां संभव हो, छोटी दूरी के लिए साइकिल का उपयोग करेंगे तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। हमारा यह छोटा-सा प्रयास स्वस्थ समाज और स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक शुक्रवार को 'नो व्हीकल डे' मनाया जा रहा है। इस दिन विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं अन्य संबंधित व्यक्ति निजी मोटर वाहनों का उपयोग न करते हुए पैदल, साइकिल अथवा अन्य पर्यावरण-अनुकूल साधनों का प्रयोग करते हैं। यह पहल विद्यार्थियों और कर्मचारियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करेगी तथा समाज के लिए एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ-छोर	03.06.2026	-----	----

साइकिल से कार्यालय पहुंचे वीसी

नभ-छोर न्यूज ⏭ 03 जून

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज आज विश्व

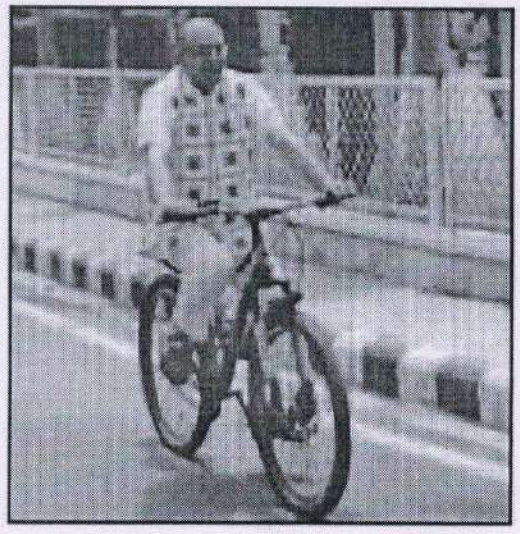

साइकिल दिवस पर अपने निवास स्थान से अपने कार्यालय में साइकिल से पहुंचे। कुलपति प्रो काम्बोज ने बताया कि साइकिल केवल एक साधारण परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक है। साइकिल का उपयोग करने से न तो ईंधन की आवश्यकता होती है और न ही इससे पर्यावरण का नुकसान पहुंचाने वाली गैसों का उत्सर्जन होता है। इसलिए साइकिल को पर्यावरण मित्र वाहन भी कहा जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	03.06.2026	-----	----

स्वस्थ जीवन और ईंधन की बचत के लिए साइकिल चलाना जरूरी : प्रो. काम्बोज

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज आज विश्व साइकिल दिवस पर अपने निवास स्थान से अपने कार्यालय में साइकिल से पहुंचे। कुलपति प्रो काम्बोज ने बताया कि साइकिल केवल एक साधारण परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक है। साइकिल चलाने से शरीर स्वस्थ रहता है, हृदय मजबूत बनता है, मोटापा कम होता है तथा मानसिक तनाव भी घटता है। यह एक ऐसा व्यायाम है जो सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए लाभदायक है। साइकिल का उपयोग करने से न तो ईंधन की आवश्यकता होती है और न ही इससे पर्यावरण का नुकसान पहुंचाने वाली गैसों का उत्सर्जन होता है। इसलिए साइकिल को पर्यावरण मित्र वाहन भी कहा जाता है। ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक शुक्रवार को 'नो व्हीकल डे' मनाया जा रहा है। इस दिन विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं अन्य संबंधित व्यक्ति निजी मोटर वाहनों का उपयोग न करते हुए पैदल, साइकिल अथवा अन्य पर्यावरण-अनुकूल साधनों का प्रयोग करते हैं। यह पहल विद्यार्थियों और कर्मचारियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करेगी तथा समाज के लिए एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	03.06.2026	-----	----

स्वस्थ जीवन और ईंधन की बचत के लिए साइकिल चलाना जरूरी: प्रो बलदेव राज काम्बोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज आज विश्व साइकिल दिवस पर अपने निवास स्थान से अपने कार्यालय में साइकिल से पहुंचे। कुलपति प्रो काम्बोज ने बताया कि साइकिल केवल एक साधारण परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक है। साइकिल चलाने से शरीर स्वस्थ रहता है, हृदय मजबूत बनता है, मोटापा कम होता है तथा मानसिक तनाव भी घटता है। यह एक ऐसा व्यायाम है जो सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए लाभदायक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, यातायात की भीड़ और ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच साइकिल एक प्रभावी और किफायती विकल्प के रूप में सामने आई है। साइकिल का उपयोग करने से न तो ईंधन की आवश्यकता होती है और न ही इससे पर्यावरण का नुकसान पहुंचाने वाली गैसों का उत्सर्जन होता है। इसलिए साइकिल को पर्यावरण मित्र वाहन भी कहा जाता है।

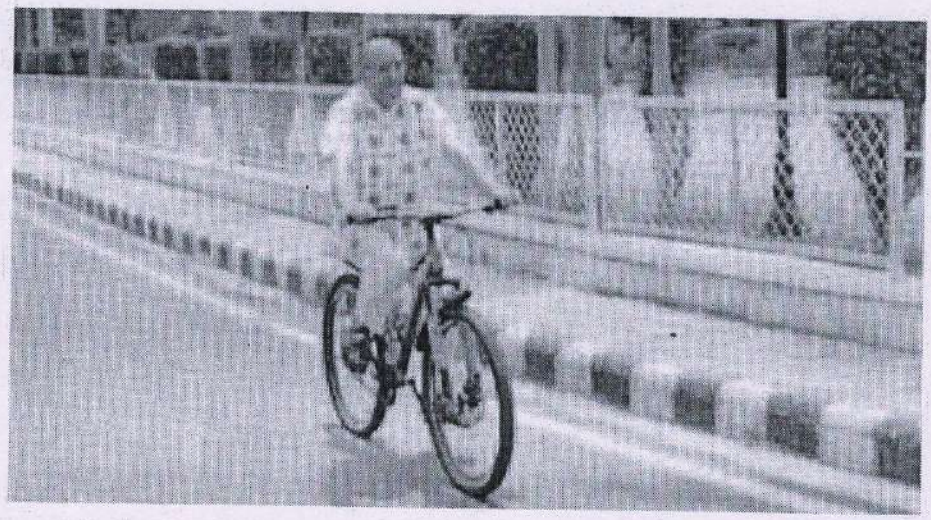

कुलपति ने बताया कि आम नागरिकों को छोटी दूरी के लिए साइकिल का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इससे न केवल पर्यावरण की रक्षा होगी बल्कि लोगों का स्वास्थ्य भी बेहतर होगा और सड़क यातायात का दबाव भी कम होगा। विश्व साइकिल दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि जहां संभव हो, छोटी दूरी के लिए साइकिल का उपयोग करेंगे तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। हमारा यह छोटा-सा प्रयास स्वस्थ समाज और स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

ज्ञात रहे कि विश्वविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक शुक्रवार को 'नो व्हीकल डे' मनाया जा रहा है। इस दिन विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं अन्य संबंधित व्यक्ति निजी मोटर वाहनों का उपयोग न करते हुए पैदल, साइकिल अथवा अन्य पर्यावरण-अनुकूल साधनों का प्रयोग करते हैं। यह पहल विद्यार्थियों और कर्मचारियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करेगी तथा समाज के लिए एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करेगी।